भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3674

सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

चित्रकूट में पर्यटन विकास

3674. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बांदा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के एक प्रमुख तीर्थ स्थल चित्रकूट में पर्यटन विकास के लिए चालू वित्तीय वर्ष की कार्य योजना के क्या लक्ष्य हैं;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अंतर्गत बांदा जिले में कालिंजर किला, भूरागढ़ किला, मडफा किला और जामा मस्जिद जैसे प्रमुख पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल रखरखाव के अभाव में अपना अस्तित्व खो रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो उनके परिरक्षण और संरक्षण के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पर्यटन की दृष्टि में बांदा और चित्रकूट जिले सबसे कम विकसित जिले हैं; और

(ङ) यदि हां, तो निकट भविष्य में बांदा और चित्रकूट जिलों के लिए प्रस्तावित प्रमुख पर्यटन विकास योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासन द्वारा किया जाता है।

हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0), 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, उनके मूल्यांकन, धन की उपलब्धता आदि के अध्यधीन राज्यों के परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश में रामायण परिपथ के अंतर्गत 69.45 करोड़ रुपये की लागत से 'चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास'

नामक परियोजना को मंज़ूरी दी थी। चित्रकूट के महत्व को देखते हुए, मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 27.21 करोड़ रुपये की लागत से मध्य प्रदेश में 'चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव' परियोजना को मंज़ूरी दी है।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि उनके द्वारा चित्रकूट और बांदा में कई विकास कार्यों को क्रियान्वित किया गया है और चित्रकूट के एकीकृत विकास के लिए 'यूपी चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद' की स्थापना की गई है।

इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सूचित किया है कि वह चित्रकूट में 25 संरक्षित स्मारकों और स्थलों के संरक्षण एवं रखरखाव का कार्य करता है, जिसमें पेयजल, शौचालय, पाथवे और भूदृश्यांकन आदि जैसी सुविधाएं प्रदान करना शामिल है। स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों का संरक्षण एवं रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है और इसे स्मारकों की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है।

*****